तापमान

अधिकतम 26.0 डिग्री

न्यूनतम 13.0 डिग्री

हरिभूमि
मध्यांचल भूमि

रायपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

11 अधिकारी-कर्मचारी संघ ने मनाई गुरु घासीदास…

12 बंगोली में अन्नकूट त्यौहार मना

बदहाल गिधौरी-शिवरीनारायण मार्ग बना जानलेवा

जर्जर सड़क और नाली के गंदे पानी ने बढ़ाई राहगीरों की मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गिधौरी

क्षेत्र की जीवनरेखा माना जाने वाला गिधौरी-शिवरीनारायण मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली के कारण सुर्खियों में है। शासन-प्रशासन की उपेक्षा और लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते यह सड़क अब सफर के लायक नहीं बची है। बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढों और सड़क पर बहते नाली के गंदे पानी ने राहगीरों का जीना मुहाल कर दिया है। विगत कई दिनों से नाली निकासी की व्यवस्था ठप होने के कारण गंदा पानी सड़क पर लबालब भर गया है। इससे न केवल पैदल चलने वालों को कठिनाई हो रही है, बल्कि दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। सड़क की जर्जर हालत के कारण भारी वाहन बीच रास्ते में ही खराब हो जाते हैं, जिससे महानदी शबरी सेतु पुल पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है।

मलहम-पट्टी के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग द्वारा समय-समय पर पेंच वर्क (मरम्मत) का कार्य तो किया जाता है, लेकिन वह महज औपचारिकता बनकर रह गया है। घटिया निर्माण के कारण दो दिन के भीतर ही गिट्टियां उखड़ जाती हैं और गड्ढे फिर से उभर आते हैं। स्थिति यह है कि अब इस मार्ग पर दुर्घटनाएं रोज की बात हो गई हैं।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से जनता में आक्रोश

हैरानी की बात यह है कि इस समस्या को लेकर न तो सत्ताधारी पक्ष के जनप्रतिनिधि गंभीर हैं और न ही विपक्ष के लोग आवाज उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। शिवरीनारायण जाने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग की ऐसी दुर्दशा धार्मिक और व्यापारिक दृष्टिकोण से भी भारी नुकसान पहुंचा रही है। सड़क की हालत इतनी बुरी है कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। धूल और कीचड़ के बीच जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

गनियारी में मड़ई मेला 6 जनवरी को

खरोरा। समीपस्थ ग्राम गनियारी के दशहरा मैदान में 6 जनवरी को मड़ई मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा, विशिष्ट अतिथि गण रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, तिल्दा जनपद पंचायत अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे, खरोरा नगर पंचायत अध्यक्ष सुनिता, अनिता सोनी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दुलारी सुरेन्द्र वर्मा, जनपद सदस्य शिवशंकर वर्मा होंगे। रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक लहर गंगा का रंगारंग कार्यक्रम रखा गया है। मड़ई मेला अधिक से अधिक ग्रामीणजनों को सम्मिलित होने की अपील, सरपंच संतोषी, राजेन्द्र निर्मलकर व उपसरपंच कुमारी वर्मा ने की।

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कल

अर्जुनी। बलौदाबाजार विकासखण्ड के ग्राम अर्जुनी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शताब्दी वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में हिन्दू सम्मेलन 5 जनवरी को आहूत किया गया है। उक्त कार्यक्रम में 108 जोड़ियों द्वारा श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। कार्यक्रम 12 बजे निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवकर साहब असंग देव कबीर आश्रम सोनपैरी रहेंगे। अध्यक्षता डॉ. वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष-राज्य बाल संरक्षण आयोग सैन्य मनोवैज्ञानिक छत्तीसगढ़ व मुख्य वक्ता टोपलाल वर्मा प्रांत संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ रहेंगे। इस आयोजन में सर्व हिन्दू समाज अर्जुनी मंडल ने इस पुनीत कार्यक्रम में पधार कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

महिला तहसीलदार ने लिखाई रिपोर्ट

महासमुंद। जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र में तहसील कार्यालय पिथौरा में 2 जनवरी को जितेंद्र सिन्हा द्वारा किए गए प्रदर्शन मामले में महिला तहसीलदार की रिपोर्ट पर पिथौरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, आत्महत्या की धमकी देने, अपने कपड़े उतार कर स्टाफ को कार्यालय के अंदर परिरोध किए जाने संबंधित मामलों में कई धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। महिला तहसीलदार के आवेदन पर आरोपी के विरूद्ध धारा 127(2), 221, 224, 226, 351, 79 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

महिला से मारपीट

महासमुंद। महिला से मारपीट की शिकायत पर सिटी कोतवाली में आरोपी पति के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को प्रार्थिया प्रियस्का जोशी पति विकास जोशी ने बताया कि वह किराये के मकान अयोध्या नगर महासमुंद में अपने पति विकाश जोशी व अपने तीन साल के बेटे के साथ रहती है। उसके पति के द्वारा मोटरसायकल, मायके से पैसे लाने की बात पर मारपीट करता था। 1 जनवरी को भी उसने मायके से पैसे लाने और जमीन में हिस्से की बात पर लडाई-झगडा मारपीट किया।

पर्व : बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं की टोलियां दान के लिए घर-घर पहुंची

अन्नदान का महापर्व छेरछेरा में पंरपरा और आस्था की मिली झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेल

प्रदेश का समृद्ध संस्कृति का प्रतीक और दान का महापर्व छेरछेरा शनिवार को सेल सहित आसपास के दर्जनों गांवों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर माई छेरछेरा, कोठी के धान ला हेरहेरा की गूंज के साथ युवक-युवतियों और बच्चों की टोलियों ने घर-घर जाकर अन्न का दान मांगा।अंचल के ग्राम चंडीडीह, साबर, सर्वानी, बैजनाथ, गिरौदपुरी, सोनाखान सहित अन्य ग्रामों में यह पर्व ▶▶ शेष पेज 11 पर

अंचल में मनाया गया लोकपर्व छेरछेरा

भरूवाडीह/सैहा/गुमा। छेरछेरा हमारे छत्तीसगढ़ के अन्न दान का महत्वपूर्ण लोकपर्व त्यौहारों में एक मात्र ऐसा त्यौहार है, जिसमें उत्साहपूर्वक बच्चों से लेकर बूढ़े और स्त्री से लेकर पुरुष तथा रामधुनी, सेवा समितियों का मिसाल है कि छेरछेरा मांगकर चरौदा के राम मंदिरों जैसे अनेक नामचीन मंदिरों के निर्माण कराये गये हैं। यह पर्व में तुरतुरिया, चरौदा और पौंसरी तथा सोमनाथ जैसे स्थानों धार्मिक आस्था के पारंपरिक मेला लगते हैं। खासतौर पर्व को ग्रामीण परिवेश के पौनी पसारी अर्थात राऊत, नाई, धोबी,लोहार एवं नौकर चाकरों तथा लेन देन के हिसाब-किताब का पारंपरिक लोकपर्व के विशेष तौर से मनाये जाते हैं।

छेरछेरा पर दिखी सामाजिक समरसता की मिसाल

खरोरा। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और अन्न दान का महापर्व छेरछेरा खरोरा सहित ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पौष पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को सुबह से ही बच्चों और युवाओं की टोलियां झोली और बोरी लेकर घर-घर पहुंचीं, जहां ग्रामीणों ने खुले मन से धान और राशि का दान किया।गलियों में छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेरहेरा और जभे देबे तभे टरन के पारंपरिक गीत दिनभर गूंजते रहे। कहीं-कहीं युवाओं की टोलियां डंडा नृत्य और मांदर की थाप पर थिरकती नजर आईं। हालांकि, आधुनिकता के दौर में अब डंडा नृत्य की टोलियां कम ही दिखाई देती हैं। इस दिन मां अन्नपूर्णा और मां शाकंभरी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। मान्यता है कि इस दिन किया गया अन्न दान महादान की श्रेणी में आता है। सामाजिक एकता का संदेश ▶▶ शेष पेज 11 पर

गौरवशाली परंपरा बनाम आधुनिक भटकाव

खबर के साथ एक चिंताजनक पहलू भी सामने आया है। जहां प्राचीन समय में छेरछेरा से प्राप्त अन्न का उपयोग सामूहिक भोज, गौशालाओं या जरूरतमंदों की मदद के लिए होता था, वहीं आज कुछ क्षेत्रों में युवा वर्ग इस राशि का उपयोग नशे और अनियंत्रित मौज-मस्ती के लिए कर रहा है। सामाजिक विशेषज्ञों और बुजुर्गों ने इस सांस्कृतिक क्षरण पर चिंता जताते हुए इसे परंपराओं के मूल उद्देश्यों से भटकाव बताया है।

पुनर्जागरण की आवश्यकता

समाज शास्त्रियों का मानना है कि यदि युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन मिले, तो वे इस पर्व के वास्तविक स्वरूप—दान और साझा करना को जीवित रख सकते हैं। आज भी कई गांवों में एकत्रित धान को सामाजिक कार्यों में लगाकर इस परंपरा की पवित्रता को बरकरार रखा जा रहा है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, चालक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गिधौरी

गिरौदपुरी पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम महराजी में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। सोनाखान रोड पर पिकनिक मनाकर लौट रहे युवकों की अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। इस टक्कर में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, अर्टिगा कार क्रमांक सीजी 22 एम 3891 में सवार युवक वनांचल क्षेत्र से पिकनिक मनाकर वापस लौट रहे थे। ग्राम महराजी के पास सोनाखान रोड पर कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे सड़क किनारे एक पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

अस्पताल में उपचार जारी

वर्तमान में घायल युवक का इलाज कसडोल में जारी है। डॉक्टरों के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। गिरौदपुरी पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है, जो मामले की जांच कर रही है।

चालक की हालत गंभीर, साथी सुरक्षित

इस दुर्घटना में कार चालक ईश्वर वर्मा निवासी- मुंडा, लवन को गंभीर चोटें आई हैं। कार में सवार उनके अन्य साथियों को सुरक्षित बताया जा रहा है, उन्हें मामूली चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाई गई और घायल ईश्वर वर्मा को कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

राजधानी रायपुर में राष्ट्र स्तरीय सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोपालपुर

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से राजधानी रायपुर में राज टॉकीज के सामने स्थित शहीद स्मारक भवन में 4 जनवरी को सुबह 10 बजे से सतनामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए राष्ट्र स्तरीय विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अपने भावी जीवन साथी की तलाश में छग सहित कई प्रांतों से बड़ी संख्या में नवयुगल प्रतिभागी अपने परिजनों के साथ राजधानी पहुंच रहे हैं,जहां बड़ी संख्या में वैवाहिक रिश्ते जुड़ेंगे।

■ मनचाहा जीवनसाथी की तलाश में कई प्रांतों से पहुंचेंगे सतनामी युवा

आयोजन समिति अध्यक्ष केपी खण्डे, प्रवक्ता चेतन चंदेल एवं प्रदेश प्रतिनिधि यादराम हिरवानी ने बताया कि इस बार राजधानी में दसवें वर्ष का आयोजन ▶▶ शेष पेज 11 पर

निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजन

कार्यक्रम में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर भी लगाई जा रही है, जहां अनेकों विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम तैनात रहेंगे जो परामर्श के साथ चिकित्सीय लाभ पहुंचायेंगे।कार्यक्रम दिवस 4 जनवरी को प्रतिभागियों के पंजीयन हेतु कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही तीन अलग-अलग विशेष काउंटर खुले रहेंगे, जहां अविवाहित नव युगल प्रतिभागियों के अलावा समाज की विधवा, विधुर व वैध तलाकशुदा प्राप्त महिला-पुरुष भी अपना पंजीयन करवा सकेंगे। बिना पंजीयन किसी भी प्रतिभागी या उनके परिजनों को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी।

एसआईआर के तहत 24603 मतदाताओं को नोटिस जारी

बलौदाबाजार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले के 24603 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इसमें से अब तक 7524 मतदाताओं को नोटिस तामिल कराया गया है।

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जारी नोटिस उन मतदाताओं को दिए गए हैं जिनके नाम, पते, आयु या अन्य विवरणों में संशय, त्रुटि अथवा दोहराव की आशंका पाई गई है। संबंधित मतदाताओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया है, ताकि सही तथ्यों के आधार पर मतदाता सूची का संशोधन किया जा सके।

थाना प्रभारी के तबादले पर जनाक्रोश ग्रामीणों ने सेवा यथावत रखने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पलारी

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा हाल ही में किए गए फेरबदल के तहत पलारी थाना प्रभारी हेमंत पटेल के स्थानांतरण आदेश पर क्षेत्र की जनता में नाराजगी है। खैरी के ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता से इस तबादले को रोकने की गुहार लगाई। ग्रामीणों का कहना है कि जिस अधिकारी ने 50 साल पुरानी अवैध शराब की समस्या को जड़ से खत्म किया, उनका जाना क्षेत्र की शांति के लिए घातक हो सकता है। ग्रामीणों और पार्षदों का तर्क है कि हेमंत पटेल के ▶▶ शेष पेज 11 पर

एसपी से पुनर्विचार की गुहार

ग्रामीण लेखराम गनहरे, लक्की कनौजे, ताजेंद्र कनौजे सहित पार्षद डोमार वर्मा और रवि ध्रुव ने संयुक्त रूप से मांग की है कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए तबादला रोका जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पलारी क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए हेमंत पटेल जैसे कार्यकुशल अधिकारी का यहाँ बने रहना अनिवार्य है।

5 दशकों का कलंक कुछ महीनों में मिटाया

खैरी गांव जो कभी अपनी 90 प्रतिशत आबादी के अवैध शराब निर्माण और तस्करी में संलिप्तता के कारण प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ था, वहां हेमंत पटेल ने असंभव को संभव कर दिखाया। नक्सलवाद से भी बड़ी समस्या माने जाने वाले इस अवैध कारोबार को पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प और रणनीतिक छापेमारी से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। आज गांव में अपराध की जगह सामाजिक सुधार का माहौल है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह : एसपी भावना ने बस स्टैंड में बांटे हेलमेट

युवाओं को दी यातायात नियमों के पालन की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 का आगाज प्रभावी ढंग से किया गया है। शनिवार 3 जनवरी को बस स्टैंड बलौदाबाजार के समीप आयोजित एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता स्वयं शामिल हुईं और लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से युवा वर्ग को लक्ष्य करते हुए समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने मौके पर उपस्थित कई वाहन चालकों को हेलमेट का वितरण भी किया और भविष्य में सदैव हेलमेट धारण करने की शपथ दिलाई। केवल दोपहिया ही नहीं, बल्कि चार पहिया वाहन चालकों को भी एसपी ने सख्त हिदायत दी कि वे यात्रा के दौरान सदैव सीट बेल्ट का उपयोग करें। पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

आमजनों को सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता पाम्पलेट बांटे गए। यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले खतरों के बारे में समझाइश दी गई।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने संदेश दिया कि सड़क पर अनुशासन ही दुर्घटनाओं को रोकने का एकमात्र उपाय है। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें और यातायात के संकेतों व नियमों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। इस दौरान पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और यातायात टीम के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने चौक-चौराहों पर मुस्तैदी के साथ लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित किया।

नौशीन खान अटल बिहारी विवि के 6वें दीक्षांत समारोह में सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

शहर निवासी नौशीन खान को अटल बिहारी विश्वविद्यालय बिलासपुर के 6वें दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मुख्य आतिथ्य तथा राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया था। नौशीन खान ने अटल बिहारी विश्वविद्यालय से बीएससी ऑनर्स फ़ूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी विषय में मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सम्मान अर्जित किया। नौशीन खान ने एग्रीकल्चर विषय लेकर हायर सेकंडरी नगर के शास्वत हायर सेकंडरी स्कूल से उत्तीर्ण किया। नौशीन खान नगर के मेहबूब टेलर्स के संचालक अय्यूब खान व शिक्षिका तबस्सुम खान की पुत्री है। इस उपलब्धि ▶▶ शेष पेज 11 पर

क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छेरछेरा पर्व

नर्रा। पौष पूर्णिमा पर शनिवार को क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व छेरछेरा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व नई फसल के घर आने की खुशी में लोग खुले दिल से धान और अन्य वस्तुओं का दान करते हैं। अन्नदान का यह महापर्व को लेकर बच्चे युवा वर्ग सहित सभी वर्ग के लोग छेरछेरा मांगने निकले। जहां गली मोहल्ले व घर घर जाकर छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा का गूंजता रहा। लोगों में पर्व को लेकर उत्साह दिखा। सुबह से ही लोग झोला, थैला, टोकरी लेकर छेरछेरा मांगने निकले।

सलिहाभांठा स्कूल के बच्चों ने मनाया पारंपरिक पर्व छेरछेरा

महासमुंद। प्राथमिक शाला सलिहाभांठा में बाल कैबिनेट के नेतृत्व में बच्चों ने नाचते-गाते पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर छत्तीसगढ़ का पारंपरिक अन्न दान का पर्व धूमधाम से मनाया गया। गांव भ्रमण कर पारंपरिक वेशभूषा में मंत्री राहुल और दामनी ध्रुव के नेतृत्व में नाचते गाते बच्चों ने गांव में लोगों से अन्न दान मांगा। बच्चे 'छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा, अरन-बरन, कोदो दरन, जभे देबे तभे टरन' की आवाज के साथ छेरछेरा मांगा गया। अनेक जगह लोगों द्वारा बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट देकर भी प्रोत्साहित किए। लोगों ने इस दौरान बच्चों के लिए ताली बजाकर खूब उत्साहवर्धन किए। गांव में बच्चों के साथ अन्य लोग भी जुड़ते गए।

बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री रूखमणि ध्रुव ने चर्चा में बताया कि मिले छेरछेरा से बाल कैबिनेट द्वारा सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। छेरछेरा भ्रमण में पालकों की ओर से एसएमसी अध्यक्ष पिरीत राम साहू, दौलत राम दीवान, पंचराम ध्रुव, दयालु राम ध्रुव, कीरीत दीवान, सुकदेव दीवान, योगीराम साहू, हुलश सिन्हा बच्चों के साथ उपस्थित रहे।

बिरकोनी में धूमधाम से मनाया गया छेरछेरा पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिरकोनी

साल का पहला त्योहार व छत्तीसगढ़ का लोक पर्व छेरछेरा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा पर्व नई फसल को खलिहान से घर लाने की खुशी में पौष पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा से संबोधन कर घर के आंगन में दान मांगते हैं। इस पर्व को लेकर बच्चों में भारी खुशी झलकी। सभी घर से धान एकत्रित कर दुकान में बेच कर पैसा को बच्चों की टोली में बराबर बांटी गई। इस पैसा को बच्चों ने अपने शौक के हिसाब से मेले में खर्च किए। कोई शिक्षा से सम्बंधित सामग्री खरीदी तो को मड़ई मेले में अपने पसंद के खिलौने खरीद कर अपने उत्सुकता जाहिर की। क्षेत्र के मानस मंडलियों द्वारा पारंपरिक छत्तीसगढ़ गीतों व नृत्य की प्रस्तुति देते हुए और दशहरा व गणेश पर्व में दिए गए दान को छेरछेरा के दिन मांगते है। वहीं घरों में मां अन्नपूर्णा देवी की पूजा कर खीर पूड़ी प्रसाद का भोग लगाया। इस दिन पर्व को लेकर किसानों ने पारंपरिक वस्त्र धारण कर खलिहान, खेत, बाड़ी व कोठी में दीप जलाए।

अरंड (पिथौरा)। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार छेरछेरा पुन्नी पर ग्रामीण अंचलों में उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे बड़े सभी टोली बनाकर घर घर पहुंच कर धान मांग कर परंपरा को जीवंत रखा। ग्राम अरंड में खुशहाली का प्रतीक इस त्योहार में घर घर पहुंचे लोगों को महिलाओं ने अन्नदान कर विदा किया। गांव के सेत बाई ध्रुव, जमुना बाई, मिलो बाई ध्रुव, चंपेश्वरी बाई, अजय ध्रुव समेत सभी ग्रामीणों ने अन्नदान महापर्व मनाया। वहीं दूसरी ओर सुबह से ही बच्चे थैला लेकर समूह में घर घर जाकर छेरछेरा कोठी के धान ल हेर हेरा कहते नजर आए। शिक्षक कौतुक पटेल ने बताया कि पहले ग्राम के प्रमुख लोग गांव के किसी सार्वजनिक हित के कार्य के लिए छेर छेरा मांगते थे। क्रिकेट खेलने वाले युवा भी खेल सामग्री के लिए धन संग्रह करने के लिए छेरछेरा मांगते थे, जो अब नहीं दिखते। लेकिन, बच्चों को इस त्योहार का बहुत ही बेसब्री से इंतजार रहता है।

महासमुंद। लाफिनखुर्द में मनाया गया छेरछेरा पर्व।

खैरा में बच्चों और ग्रामीणों ने घर-घर जाकर मांगा अन्नदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम खैरा में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक छेरछेरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा, कोठी के धान ल हेरते हेरा के जयघोष के साथ पूरा गांव उत्सव के रंग में डूबा नजर आया। सुबह से ही बच्चों की टोलियां हाथों में थैले और टोकरियां लेकर घर-घर पहुंचने लगे। बच्चों के साथ-साथ युवाओं और बुजुर्गों में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए अन्न धान एवं चावल अपने सामर्थ्य अनुसार दान दिया। मान्यता है कि इस दिन दान देने से घर में सुख-समृद्धि आती है और भंडार भरे रहते हैं। गांव की गलियों में डफली और मांदर की थाप पर लोक गीतों की गूंज सुनाई दी। खैरा में यह पर्व आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में मनाया गया। फसल कटाई के बाद खुशी मनाने का यह पारंपरिक तरीका आज भी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़े हुए है। शाम तक गांव के प्रत्येक घर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

भोरिंग में शिक्षक-युवाओं ने अन्नदान महापर्व छेरछेरा को उत्साहपूर्वक मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजने की दिशा में गौरव गांव भोरिंग के शिक्षक समूह द्वारा छत्तीसगढ़ का प्रमुख लोकपर्व दान का महापर्व छेरछेरा हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने छेरछेरा पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व दान, सहयोग, सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ी लोकगीतों, पारंपरिक अभिवादन और दान की परंपरा को

जीवंत किया गया। शिक्षकों ने यह संदेश दिया कि छेरछेरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि समाज में सहयोग, करुणा और समानता की भावना को मजबूत करने वाला महापर्व है। इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक जितेंद्र साहू ने बताया छत्तीसगढ़ी संस्कृति को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक मूल्यों को शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू, भोजराम साहू, लोकनाथ साहू, पवन साहू, नीलकमल साहू, प्रीतम साहू, ठाकुर राम साहू, टकेश साहू, शिवराम साहू, भावेश साहू, राजेश साहू, चंपेश्वर साहू, सुरेश यादव, जिरेंद्र साहू आदि मौजूद रहे।

छेरछेरा पर्व पर तुषार ने मांगा अन्नदान

महासमुंद। घर-घर अन्न दान लेकर भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू पहुंचे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले छेरछेरा तिहार पर ग्राम मचेवा कलेक्टर कॉलोनी में पारंपरिक रूप से घर-घर जाकर अन्न दान मांगा। इस अवसर पर गांव में उत्साह, अपनत्व और लोक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। तुषार ने छेरछेरा की परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को सशक्त करता है। यह लोक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

खट्टी में मनाया गया छेरछेरा पर्व

महासमुंद। ग्राम खट्टी में छेरछेरा पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। छेरछेरा पर्व पर सुबह से ही गांव में बच्चों, बड़ों की टोलियां गाजे-बाजे के साथ गांव की विभिन्न गलियों में घूम-घूम कर छेरछेरा मांगकर इस परंपरा का निर्वाहन किया। बच्चों में छेरछेरा पर्व को लेकर अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला।

खरोरा में धूमधाम से मनाया गया में छेरछेरा त्योहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्राम खरोरा में छत्तीसगढ़ छेरछेरा त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। छेरछेरा का पर्व और उत्सव हैं, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि समाज में सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। इनमें से एक प्रमुख और विशिष्ट पर्व छेरछेरा है, जो विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति का आदर्श प्रस्तुत करता है और किसानों के जीवन से जुड़ा हुआ है। छेरछेरा पर्व कृषि पर आधारित होने के कारण यह नए कृषि मौसम और फसल कटाई के बाद मनाया जाता है, जिसे हर साल पौष पूर्णिमा के दिन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। छेरछेरा पर्व की शुरुआत में ग्राम देवताओं की पूजा होती है, जिसे ग्रामीण अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तथा कृषि की उन्नति की कामना से करते हैं।

यह पर्व फसल के कटाई के बाद एक सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो समाज के सभी वर्गों को एकजुट करता है। इस दिन विशेष रूप से छोटे बच्चे, युवक और युवतियां हाथ में टोकरी या बोरियां लेकर घर-घर छेरछेरा मांगने निकलते हैं। छेरछेरा में कोठे के धान ला हेर देस जैसे पारंपरिक गीत गाते हुए घरों के सामने जाते हैं और वहां से नया चावल और नकद राशि प्राप्त करते हैं। यह सब एक सामूहिक खुशी का हिस्सा होता है, जो पूरे गांव को उत्साहित और सामूहिक रूप से एकजुट करता है।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ने बेलसोंडा में हर्षोल्लास के साथ मनाया छेरछेरा पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ के लोक पर्व छेरछेरा पर शनिवार को चारों ओर उत्साह का माहौल रहा, जहां जनपद उपाध्यक्ष हुलसी जितेंद्र चंद्राकर ने अपने गृह ग्राम बेलसोंडा के ग्रामीणों के साथ इस उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाया।

सुबह से ही गांव की गलियां छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा के जयघोष से गुंजायमान रहीं। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष ने अपनी सादगी का परिचय देते हुए कंधे पर झोला लटकाकर घर-घर जाकर पारंपरिक रूप से अन्न का

दान मांगा और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों ने भी अपने जनप्रतिनिधि को अपने बीच पाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी कोठियों से नया धान निकालकर दान किया। हुलसी ने बताया कि छेरछेरा का यह पर्व हमारी दानशीलता और अभिमान त्याग का प्रतीक है, जो हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

अपनी संस्कृति और मिट्टी से जुड़ाव ही हमारी असली पहचान है। साथ ही साथ में उन्होंने बच्चों, ग्रामवासियों को भी छेरछेरा में धान दान किए।

नगर से लेकर गांव तक छेरछेरा की धूम परंपरा और उत्साह के रंग में डूबा जिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ का पारंपरिक और लोक आस्था का पर्व छेरछेरा जिले के नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा, कोठी के धान ला हेर हेरा के साथ सुबह से ही बच्चों और युवाओं की टोलियां घर-घर जाकर दान मांगते नजर आये। त्योहार को लेकर बच्चों में भारी उत्साह देखा गया। वे झोला लेकर गलियों में निकले और लोगों ने भी खुले दिल से उन्हें धान और भेंट स्वरूप राशि दान की। फसल कटाई के बाद खुशी साझा करने वाले इस पर्व पर ग्रामीण इलाकों में विशेष रौनक रही। लोगों ने पारंपरिक व्यंजन बनाए और एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी।

अन्नदान कर कुमारी ने निभाई परंपरा

सरायपाली। नगर सहित अंचल में नए साल की शुरुआत के बाद छेरछेरा पर्व मनाया जाता है। जिसे अलग-अलग जगहों पर कई नामों से भी जाना जाता है। कहीं ये छेरछेरा पुन्नी पर्व, तो कहीं पौष पूर्णिमा और शाकंभरी जयंती। छेरछेरा का छत्तीसगढ़ के लोकपर्वों में बड़ा स्थान माना गया। लोग इस दिन अन्न दान कर पुण्य कमाते हैं। वहीं गांवों में इस त्योहार की अलग ही रौनक देखने को मिलती है। ग्रामीण इलाकों में बच्चे घरों जा जाकर छेरछेरा मांगते हैं। जिला पंचायत सभापति कुमारी भास्कर ने कहा कि छेरछेरा पर्व हमें समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और साझा समृद्धि की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से इस लोकपर्व को सद्भाव, उल्लास और पारंपरिक मूल्यों के साथ मनाने का आह्वान किया। साथ ही छेरछेरा पर्व पर अन्नदान कर परंपरा निभाई।

खबर संक्षेप

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा वीबी जीरामजी अधिनियम

महासमुंद। वरिष्ठ भाजपा नेता व पिटियाझर सोसायटी अध्यक्ष रमेश साहू ने कहा कि विकसित भारतः जीरामजी योजना मनरेगा से आगे का सशक्त कदम है। मनरेगा में 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी। जबकि, जीरामजी योजना में 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी होगी। वहीं, कार्य का भुगतान देरी से होने पर अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान किया गया है। साहू ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस वर्ष योजना के लिए 1,51,282 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि गांवों में रोजगार के साथ समग्र विकास हो सके। जीरामजी योजना के माध्यम से जल संरक्षण, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों से स्वावलंबी और गरीबी-मुक्त गांव बनाए जाएंगे। योजना के तहत प्रशासनिक व्यय 6 से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है। जिससे पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और तकनीकी स्टाफ को समय पर पूरा वेतन मिल सके।

मेंशन मजदूर संघ तुमगांव शाखा में पदाधिकारियों का चयन

महासमुंद। 3 जनवरी 2026 को मेंशन मजदूर संघ पंजीयन क्रमांक 4703 महासमुंद से संबंधित तुमगांव शाखा की बैठक में संघ के सफल संचालन के लिए राजमिस्त्री और श्रमिकों की उपस्थिति में नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों की आम सहमति से तुमगांव मेंशन मजदूर संघ का अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार धीवर (तुमगांव), उपाध्यक्ष तिलक बंजारे (भोरिंग), सचिव भोजराम सिन्हा (खैरझिटी), कोषाध्यक्ष तुकाराम कश्यप (कोडार बांध), संचालक संतुराम विश्वकर्मा (तुमगांव), संरक्षक थानसिंग खैरवार (बिरबिरा), कार्यालय प्रभारी मुंशी चोवाराम विश्वकर्मा (तुमगांव) का चयन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने मेंशन मजदूर संघ से संबंधित सभी समस्त श्रमिकों से मजदूर हित में कार्य करने के साथ निर्माण कार्यो में गुणवत्ता के साथ कार्य दर को लेकर आवश्यक चर्चा की गई। मेंशन मजदूर संघ की मुख्य शाखा मेंशन मजदूर संघ के अध्यक्ष राधेश्याम धीवर सहित सभी पदाधिकारियों के समक्ष तुमगांव शाखा की गतिविधियों और पदाधिकारी चयन की कार्रवाई प्रेषित करने का निर्णय भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से कांशीराम, भोलाराम बंजारे, चोवाराम पटेल, हेमंत यादव, नरेंद्र धीवर, भुनेश्वर, संतोष, भागवत आदि मौजूद रहे। , कांशीराम, गणेश सियाराम सहित बड़ी संख्या में श्रमिक सदस्य उपस्थित थे।

मामाभांचा में मड़ई मेला आज

महासमुंद। ग्राम मामाभांचा में प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी 4 जनवरी 2026 को मड़ई मेला एवं रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी रंग सागर चरौदा (छुरा) कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामवासी व ग्राम विकास समिति के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को शोभा बढाने की अपील की है। उक्ताशय को जानकारी टिकेश साहू ने दी।

गुटखा प्रतिबंध केवल कागजों में, स्कूलों के आसपास खुलेआम बिक्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

शासन द्वारा जर्दायुक्त गुटखा और पान मसाला पर लगाए गए प्रतिबंध की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिस प्रतिबंध को जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए लागू किया गया हैं, वह अब केवल फाइलों और नारों तक सीमित रह गया है। जिले के शहरी इलाकों से लेकर सुदूर वनांचल के गांवों तक प्रतिबंधित गुटखा न केवल बिक रहा है, बल्कि अब यह एक मुनाफेदार ब्लैक मार्केट बन चुका है। हैरानी की बात यह है कि प्रतिबंध लगने के बाद इस अवैध कारोबार ने दम तोड़ने के बजाय और रफ्तार पकड़ ली है। शुरुआत में कार्रवाई के डर से दुकानदार इसे छिपाकर बेचते रहे हैं, लेकिन प्रशासन की लंबी चुप्पी और ठोस कार्रवाई के अभाव ने उनके हौसले बुलंद कर दिए हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि दुकानदार हर पाउच पर 2 से 5 रुपये तक की अतिरिक्त वसूली कर रहे हैं। आम आदमी की जेब भी कट रही है और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी जारी है। सवाल यह उठता है कि जब बिक्री पर रोक है, तो यह माल थोक मात्रा में बाजार तक कैसे पहुंच रहा है।

प्रतिबंध लगने के बाद अवैध कारोबार जारी, विभाग भी कार्रवाई करने उदासीन

स्कूलों के सामने नशे की पाठशाला

गुटखा की बिक्री स्कूलों के आसपास देखने को मिल रही है। जिले के कई प्रमुख शासकीय और निजी स्कूलों के ठीक बाहर स्थित छोटी गुमटियों और किराना दुकानों में जर्दायुक्त गुटखा खुलेआम उपलब्ध है। जिले में 14 से 18 वर्ष की आयु के स्कूली छात्र इस नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। स्कूलों के पास इन दुकानों का होना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ी को कैंसर और नशे की दलदल में धंकेलने जैसा है।

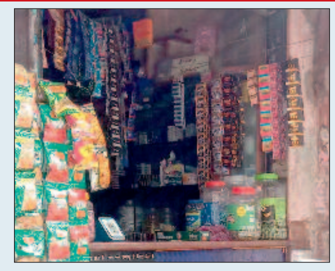

सीमावर्ती की चुनौतियां और सप्लाई चैन

इस कारोबार में ओडिशा प्रवेश द्वार है। गुटखा निर्माता और बड़े सप्लायरों ने एक ऐसा नेटवर्क तैयार कर लिया है जो मुख्य सड़कों के बजाय ग्रामीण रास्तों से माल की सप्लाई करता है। प्रशासनिक जांच और चेक पोस्ट केवल खानापूर्ति बनकर रह गए हैं। शहर के व्यस्ततम चौक-चौराहों पर स्थित दुकानों में दिनदहाड़े प्रतिबंधित गुटखा पाउच की बिक्री हो रही है पर इस पर प्रशासन अब तक कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

डिप्टी सीएम अरुण साव, साहू समाज को आगे कर अपनी खोई प्रतिष्ठा बचाने राजनीति कर रहे

पूर्व सीएम बघेल, साहू ही नहीं सभी समाज की प्रतिष्ठा व सम्मान का रखते हैं ध्यान : इंद्रसाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भाटापारा

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी स्पष्ट और स्वच्छ राजनीति के चलते आज देश के प्रमुख राजनेता के रूप में जाने जाते हैं और वे कभी भी किसी समाज को लेकर अमर्यादित टिप्पणी नहीं करते। ऐसे में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव अपनी पार्टी की राजनीति छोड़ कर साहू समाज को आगे कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे ना केवल प्रदेश की जनता समझ चुकी है, बल्कि अब साहू समाज भी उनकी मंशा और भावना को अच्छे से समझ गया है।

उक्त बातें विधायक इन्द्र साव ने प्रेस को जारी अपने बयान में कही। वही समाज के कांग्रेस विधायकों ने समाज के प्रदेश अध्यक्ष को एक पत्र प्रेषित करते हुए समाज को इससे दूरी बनाकर रखने का निवेदन किया है। क्योंकि ये विशुद्ध रूप से राजनीति से जुड़ा विषय है।

विधायक इन्द्र साव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने बिलासपुर के लिंगियाडीह प्रवास के दौरान अपने भाषण में ऐसा कोई अमर्यादित शब्द का उल्लेख नहीं किया, जिससे किसी समाज को आहत हो। विधायक साव ने कहा कि डिप्टी सीएम अरुण साव से उनका कोई विभाग तो संभल नहीं रहा है और उनके क्षेत्र में भी उनका विरोध का स्वरूप धीरे-धीरे सुलग रहा है। ऐसे में अपनी डूबती नैया को पार लगाने अब समाज को आगे कर अपनी खोई प्रतिष्ठा को बचाने का कुंठित प्रयास कर रहे हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने लिंगियाडीह में अपने भाषण में जंगल की कहानी का सार सुनाया था, जो पूरा वीडियो देखने, सुनने से स्पष्ट है। उन्होंने अपने भाषण में ना तो कोई अमर्यादित टिप्पणी की और ना ही असंसदीय भाषा का उल्लेख किया। उनके भाषण का पूरा वीडियो देखने के बाद पूरी तरह स्पष्ट है कि ना तो उन्होंने किसी जाति, धर्म या संप्रदाय का नाम लेकर कोई बात कही। एक जंगल की कहानी का सार बात डिप्टी सीएम को इतनी चुभ गई वे अब प्रदेश साहू समाज को आगे कर अपनी आगे की राजनीति और पद सुरक्षित रखने पर आ गए हैं। विधायक इन्द्र साव ने कहा कि डिप्टी सीएम अपनी पार्टी की राजनीति करें, वे वजह समाज को बदनाम करने की नियत से समाज को राजनीति में घुसेड़ने की कोशिश ना करें।

साहू समाज के विधायकों ने लिखी चिट्ठी

इस बीच कांग्रेस पार्टी में साहू समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे विधायकों ने प्रदेश साहू समाज के मुखिया को एक पत्र प्रेषित करते हुए डिप्टी सी एम अरुण साव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मामले को पूरी तरह राजनीतिक विषय बताया है और कहा कि राजनीति में विपक्षी नेताओं पर इस प्रकार की टिका टिप्पणी होते रहती है। समाज के लोग विभिन्न राजनीतिक पार्टी से जुड़े होते हैं और वे लोग भी कांग्रेस पार्टी के प्रति उतने ही जवाबदेह है जितने अपने समाज के प्रति है। आपके द्वारा सभी जिला अध्यक्षों को प्रेषित पत्र को वापस लेते हुए सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने रखने की अपील की, ताकि समाज का झुकाव किसी एक राजनीतिक पार्टी की ओर ना झुका रहे।

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से शिवरतन शर्मा ने की मुलाकात

भाटापारा। वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने दिल्ली दौरे के दौरान शनिवार को भाजपा मुख्यालय पहुंचकर भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर नवीन दायित्व और नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी।

मुलाकात के बाद शिवरतन शर्मा ने बताया की नितिन नबीन का संगठनात्मक अनुभव, दूरदर्शी सोच और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण उन्हें इस अहम जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह योग्य बनाता है। उन्होंने बताया कि नितिन नबीन पहले छत्तीसगढ़ के सह-प्रभारी और बाद में प्रभारी रहे। उन्होंने यहां संगठन को नई दिशा और मजबूती दी। शिवरतन शर्मा ने कहा कि नितिन नबीन के नेतृत्व और रणनीति के कारण ही छत्तीसगढ़ में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली और पार्टी भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल रही। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। शिवरतन शर्मा ने कहा कि नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलना भाजपा में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा का संगठन और मजबूत होगा और देशभर में पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ेगा। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक कुरुद अजय चंद्राकर, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग भी उपस्थित थे।

अधिकारी-कर्मचारी संघ ने मनाई गुरु घासीदास जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुड़पार-सरसीवां

इस साल भी सरसीवां अंचल के अधिकारी कर्मचारी संघ ने इंदिरा नगर सरसीवां स्थित गुरुद्वारा में 1 जनवरी को गुरु घासीदास की 269वीं जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर अंचलवासियों ने नगर में शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज के लोग एकजुट रहे। सर्वप्रथम इंदिरा नगर जैतखाम में गुरु घासीदास की पूजा अर्चना कर जैतखाम पर पालो चढ़ाया गया। इस दौरान सतनामी समाज के वरिष्ठजनों ने बाबा गुरु घासीदास के जीवन संघर्ष व उनके सन्देश, उपदेश एवं समाज निर्माण में योगदान, मानवतावादी विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए सबको उनके आदर्शों, संदेशों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने डोर टू डोर कचरा संग्रहण में सहयोग करें शहरवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भाटापारा

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और भाटापारा को प्रदेश के अग्रणी स्वच्छ शहरों की श्रेणी में लाने के लिए नगरवासियों से विशेष अपील की है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे नगर पालिका द्वारा संचालित डोर टू डोर कचरा कलेक्शन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि शहर की सफाई केवल सफाई कामगारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक का योगदान आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए जोर दिया,

घर से निकलने वाले कचरे को सूखा और गीला अलग-अलग डस्टबिन में रखें। इससे कचरे के निपटान में आसानी होती है। कचरा इधर-उधर या खुले नालों में न फेंकें। जब नगर पालिका की कचरा संग्रहण गाड़ी आपके वार्ड में आए, तभी कचरा उन्हें सौंपें। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, क्योंकि यह पर्यावरण और नालियों की निकासी व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा है। कचरा संग्रहण के लिए आने वाले स्वच्छता दीदियों और कर्मचारियों का सहयोग करें।

अश्वनी शर्मा ने कहा हमारा लक्ष्य भाटापारा को कचरा मुक्त और बीमारी मुक्त शहर बनाना है। यदि हर परिवार कचरा गाड़ी में ही कचरा डालने का संकल्प ले ले, तो हमारे शहर की गलियां और चौक-चौराहों की सूरत बदल जाएगी। आइए, हम सब मिलकर अपने भाटापारा को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

नगर पालिका प्रशासन ने यह भी सूचित किया है कि यदि किसी वार्ड में कचरा गाड़ी समय पर नहीं पहुंच रही है या सफाई से जुड़ी कोई समस्या है, तो नागरिक सीधे नगर पालिका कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

■ नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने दिया जोर

जेब्रा क्रॉसिंग के पास बाइक साइन बोर्ड से टकराई, अधेड़ मृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

राष्ट्रीय राजमार्ग-53 फोरलेन पर सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आएदिन हो रहे हादसों से अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को ग्राम साल्हेतराई के जेब्रा क्रॉसिंग के पास एक और दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम पाईकपारा बलौदा, थाना सरायपाली पृथ्वीराज भोई (42) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पृथ्वीराज भोई शुक्रवार सुबह घर से निकला था। उन्होंने अपने साथियों को पिकअप वाहन से बैल खरीदने सांकरा बैल बाजार भेजा, जबकि स्वयं बाइक क्रमांक सीजी 06 जीबी 4725 से अकेले सांकरा पहुंचा। दोपहर करीब 11 बजे बैल खरीदने के बाद पिकअप वाहन में बैल व साथी गांव के लिए रवाना हो गए, जबकि पृथ्वीराज अपनी बाइक से ग्राम पाईकपारा लौट रहा था । इसी दौरान एनएच-53 फोरलेन पर ग्राम साल्हेतराई के जेब्रा क्रॉसिंग के पास तेज रफ्तार में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना तत्काल टोल प्लाजा एंबुलेंस 1033 को दी गई। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में मौजूद डॉ. अश्विनी मिश्रा ने प्राथमिक जांच के बाद घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया।

फिजूलखर्ची न कर जयंती कार्यक्रम को सादगी से मनाएं : दिनेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

दिसंबर माह के अंतिम दिवस प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के पदाधिकारी दिनेश बंजारे प्रदेश सहसचिव, विजय बंजारे जिलाध्यक्ष, रेखराज बघेल जिला सचिव बागबाहरा ब्लॉक के अमलीडीह में आयोजित गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम में विशेष आमंत्रण पर देर रात शामिल होकर पूजा अर्चना करने के पश्चात समाज को संबोधित किया। गांव-गांव के जयंती कार्यक्रम में लाखों रुपए की आर्केस्ट्रा, नाच गम्मत लगाकर पैसे बर्बाद करने पर चिंता जाहिर करते हुए दिनेश बंजारे ने फिजूल खर्ची कार्यक्रम के जरिए जयंती मनाने की बजाए सादगी रुप से छात्रों, बड़े बुजुर्गों के सम्मान करने जैसे रचनात्मक कार्यों के जरिए जयंती मनाने अपील की। विजय ने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि ऐसा कोई भी कार्य ना करें जिससे समाज की मान सम्मान को ठेस पहुंचे। क्योंकि, हम लोगों ने नौ माह जेल में समाज के ही मान सम्मान के लिए बिताए हैं। जिला सचिव रेखराज बघेल ने समाज से आह्वान किया कि गुरु घासीदास बाबा के बताए मार्ग और सतनाम संस्कृति को अपने जीवन में अंगीकृत करने से सुख शांति मान सम्मान प्राप्त होगी। जिसके लिए प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है।

पेज 9 के शेष

अन्नदान का महापर्व..

पारंपरिक रीति-रिवाज से मनाया गया। लोक मान्यता के अनुसार, नई फसल के घर आने की खुशी में यह त्यौहार मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दिन किया गया दान देवी शाकंभरी को समर्पित होता है, जिससे घर में वर्ष भर धन-धान्य की कमी नहीं होती। छेरछेरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस दिन ऊंच-नीच और जाति-पाति का भेद मिट जाता है। गांवों में महिलाओं ने घर-घर विशेष पकवान बनाए और द्वार पर आए 'छेरछेरा' मांगने वालों को उदारतापूर्वक अन्न व उपहार भेंट किए।

छेरछेरा पर दिखी ...

खरोरा में इस पर्व ने सामाजिक समरसता की अनूठी तस्वीर पेश की। अमीर-गरीब का भेद मिटाकर सभी वर्गों ने इस उत्सव में भाग लिया। किसानों ने अपनी फसल के खलिहान से घर आने की खुशी में अपनी सामर्थ्य अनुसार दान देकर धन की पवित्रता और आपसी भाईचारे की परंपरा का निर्वहन किया। ग्रामीण बुजुर्गों के अनुसार, यह पर्व न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि शुभ कार्यों की शुरुआत का भी संकेत देता है। पर्व के समापन पर अंचल के विभिन्न स्थानों में छेरछेरा पुन्नी मेला का भी आयोजन किया गया।

राजधानी रायपुर में...

होने जा रहा है जिसका प्रसारण बड़े-बड़े एलईडी स्क्रीन के साथ फेसबुक लिंक के माध्यम से पूरे देश भर में इसे लाईव प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल में सभी आगंतुओं के लिए चाय, नाश्ता व भोजन की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी साथ ही समिति की महिलाएं दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाकर ज्यादा से ज्यादा रिश्ता कायम करने अपनी भूमिका निभायेंगी। सम्मेलन के 15 दिवस पश्चात सभी पंजीकृत प्रतिभागियों की रंगीन फोटोयुक्त बायोडाटा वैवाहिक पत्रिका बंधन में प्रकाशित कर उसे निःशुल्क आवंटित करेंगे । परिचय सम्मेलन में विवाह के लिए रिश्ता ढूंढ रहे सतनामी समाज के योग्य बेटा- बेटियों तथा उनके अभिभावकों को कार्यक्रम में भाग लेकर लाभ लेने की अपील की गई है।

थाना प्रभारी के तबादले ...

जाने से अवैध शराब का धंधा फिर से पैर पसार सकता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्थानांतरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि पटेल ने महज कुछ महीनों में माफियाओं की कमर तोड़ दी। प्रशासनिक डर के साथ-साथ उन्होंने जनता का विश्वास भी जीता है। ऐसे संवेदनशील और निर्भीक अधिकारी के अचानक जाने से अपराधियों के हौसले फिर बुलंद हो जाएंगे। ग्रामीणों ने कहा कि हेमंत पटेल ने न केवल अपराध पर काबू पाया, बल्कि एक निष्पक्ष अधिकारी के रूप में जनता के बीच पुलिस की छवि सुधारी है। उनके तबादले से सुधार की प्रक्रिया बाधित होगी।

नौशीन खान अटल...

पर नगर, क्षेत्र व समाज के बुद्धिजीवीयों ने हर्ष व्यक्त कर नौशीन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है, इस सफलता पर शास्वत शाला परिवार ने भी बधाई दी है ।

बाजार में मुनगा 200 रुपए किलो

कड़ाके की ठंड के बीच सब्जियों के दाम में भारी उछाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

लोगो का बीते वर्षों का अनुभव रहा है कि जैसे ही ठंड का सीजन अपनी रंगत पकड़ता है तो बाजार में हरी सब्जियों की आवक बढ़ जाती है और दाम इतने गिर जाते है कि आम आदमी झोले भर-भरकर सब्जियां घर ले जाता रहे है। लेकिन इस साल तस्वीर बिल्कुल उलट है। कड़ाके की ठंड में भी जिला मुख्यालय के बाजार में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। बाजार में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा मुनगा की है। सीजन की यह प्रमुख सब्जी वर्तमान में 200 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जिसे खरीदना मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। वहीं, सब्जियों में सबसे कम दाम बैंगन के हैं, जो 30 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि, अन्य सब्जियों के मुकाबले यह सस्ता है, लेकिन पिछले सालों की तुलना में यह भी महंगा ही माना जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस बार आवक और मांग के बीच असंतुलन बना हुआ है। आमतौर पर इस सीजन में बाहरी राज्यों और स्थानीय स्तर पर भारी उत्पादन से कीमतें गिरती हैं, लेकिन इस साल सप्लाई चेन में बाधा और बेमौसम की स्थिति ने गणित बिगाड़ दिया है। फिलहाल, कड़ाके की ठंड में सस्ती सब्जी की उम्मीद लगाए बैठे उपभोक्ताओं को अभी और कुछ दिन जेब ढीली करनी पड़ सकती है।

सेम और मटर की कीमतों में उछाल

सर्दियों की खास पसंद कही जाने वाली सेम की वैरायटियों में बामी सेम 160 रुपये किलो और पान सेमी 120 रुपये किलो की दर से बिक रही है। वहीं, मटर जो इस समय तक 20-30 रुपये किलो मिल जाया करता रहा है वह अभी भी 80 रुपये प्रति किलो पर अटका हुआ है। रसोई की जान टमाटर भी अपने तेवर नरम नहीं कर रहा है और 40 रुपये किलो पर बना हुआ है।

सिटीप्लेक्स सिनेमा-भाटापारा
03 जनवरी 2026
SHOW TIME
धुरंधर
शो समय - 03:00, 6:45, 9:00 PM
इक्कीस
शो समय - 12:00, 6:00 PM
धनेश के आराधना (सीजी)
शो समय - 12:00, 3:00 PM
नोट : फेसबुक और इंस्टाग्राम में टाईम टेबल देखा जा सकता है।
bookmyshow पर टिकिट बुकिंग सुविधा उपलब्ध
मो. 93001-27666

खबर संक्षेप

लोहिया चौक में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

महासमुंद। नगर के शहीद सरदार भगतसिंह बस्ती स्थित लोहिया चौक पर शनिवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस सम्मेलन में पहुंचे संत-महात्माओं ने समाज को अपना आशीर्वाद दिया और एकजुटता का संदेश दिया। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। लोहिया चौक में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के इंतजाम रहे। स्थानीय नागरिकों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

अस्पताल में डॉक्टर से दुर्व्यवहार, एफआईआर

महासमुंद। प्राथमिक स्वास्थ केंद्र मुनगासेर के डॉक्टर के साथ गाली गलौज और दुर्व्यवहार करने वाले दो लोगों के खिलाफ बागबाहरा थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुनगासेर अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर संकेत चंद्राकर 2 जनवरी को अपना कार्य कर रहे थे, इसी दौरान लगभग 10:25 बजे टिकेश्वर पटेल एवं लालजी पटेल निवासी खाड़ादरहा ने अस्पताल में आकर चिकित्सक के साथ गाली गलौज व दुर्व्यवहार किया। साथ ही शासकीय कार्य में रूकावट पैदा किया। मामले में चिकित्सक की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध बागबाहरा थाने में धारा 296, 221, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

30 लीटर महुआ शराब जब्त, एक पर कार्रवाई

महासमुंद। ग्राम पुरुषोत्तमपुर के दीवानडीपा जंगल में शराब की अवैध बिक्री कर रहे एक व्यक्ति के खिलाफ बसना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दीवानडीपा जंगल में अवैध महुआ शराब बिक्री करने के लिए रखा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति से पूछताछ की, जिस पर उसने अपना नाम श्रीलाल निषाद पिता लहाराम निषाद (30 साल) निवासी पुरुषोत्तमपुर होना बताया। आरोपी के कब्जे से कुल 30 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब कीमत 6000 रुपए को बरामद किया गया।

पर्व : शिवरीनारायण मठ में बच्चे और बुजुर्गों को राजेश्री महन्त ने प्रदान किया छेरछेरा

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का प्रतीक है छेरछेरा पर्व : राजेश्री महन्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गिधौरी

छत्तीसगढ़ की संस्कृति का प्रतीक छेरछेरा तिहार शिवरीनारायण मठ में लोक परंपरा के अनुरूप मनाया गया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज छेरछेरा तिहार के अवसर पर शिवरीनारायण मठ में थे। सुबह लगभग 7 बजे से छेरछेरा मांगने वालों का आगमन प्रारंभ हुआ। इसमें छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक सभी उम्र के लोग अपने-अपने साथियों के साथ छेरछेरा कोठी के धान ल हेर हेरा कहते हुए मठ में आने लगे। राजेश्री महन्त महाराज ने उन्हें छेरछेरा प्रदान किया। बच्चे काफी उत्साहित होकर प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त कर हर्षित हुए। छेरछेरा त्यौहार के संदर्भ में अपने संदेश में राजेश्री महन्त महाराज ने कहा कि - छेरछेरा छत्तीसगढ़ का लोक पर्व है, इसे काफी श्रद्धा भक्ति पूर्वक उत्साह के साथ प्रत्येक वर्ष पौष पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह कृषि कार्य के संपन्न होने का प्रतीक है। इस त्यौहार में अन्नदान की परंपरा है। वेद शास्त्रों में अन्न को ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। जीवों की उत्पत्ति, उनका विकास अन्न से ही होता है, इसलिए अन्न दान को महादान माना गया है। हम सभी को अपने सामर्थ के अनुसार लोगों को अन्न का दान करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजेश्री महन्त जी महाराज जांजगीर-चांपा जिले के प्रवास पर थे। उन्होंने रात्रि विश्राम शिवरीनारायण मठ में किया, सुबह छेरछेरा त्यौहार मनाने के बाद रायपुर के लिए रवाना हुए।

बंगोली में अन्नकूट त्यौहार मना

बंगोली। पौष शुक्ल पक्ष स्नान दान व्रत पूर्णिमा तिथि को अन्नकूट त्यौहार बंगोली सहित कुर्रा, धनसुली एवं मूरा में मनाया गया। अन्नकूट छेरछेरा पर्व का बच्चों में बेसब्री से इंतजार रहता है। सुबह से बच्चे सहित बड़े बुजुर्गों ने दान के इस महापर्व पर जस सेवा समिति, रामायण समिति, गणेश समिति, क्रिकेट टीम तथा पंथी दल के सदस्यों द्वारा गीत, संगीत, भजन, जसगीत गाकर दान के महापर्व पर छेरछेरा मांगा। दानदाताओं ने धान रुपी अन्नदान, रुपया पैसा से दान की महिमा को संपन्न किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु को राजा बली द्वारा दिया गया महादान पर जोड़कर अन्नकूट दान के महिमा को संपन्न करते हैं।

छेरछेरा पर्व की धूम, बाजे-गाजे के साथ घर-घर जाकर मांगा गया दान

हिरमी रावन। अंचल में छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा से जुड़े छेरछेरा पर्व को इस वर्ष भी हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही टोलियों के रूप में लोग ढोल-नगाड़ा, मंजीरा व अन्य पारंपरिक बाजों के साथ निकल पड़े और घर-घर जाकर "छेरछेरा छेरछेरा धान देहु, अन्न देहु" की गूंज के साथ दान मांगा। इस दौरान पूरे गांव का माहौल लोक संस्कृति और भाईचारे से सराबोर नजर आया। छेरछेरा पर्व विशेष रूप से कृषि और अन्न से जुड़ा पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घर में सुख-समृद्धि और अन्न-धन की वृद्धि होती है। इसी आस्था के चलते ग्रामीणों ने खुले मन से दान दिया। लोगों ने धान, चावल, अनाज के साथ-साथ नगद

राशि भी श्रद्धा भाव से प्रदान की। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की सहभागिता ने पर्व को और भी जीवंत बना दिया। फोटो में दिखाई दे रहा है कि युवा व ग्रामीण पारंपरिक वेश-भूषा में बाजे-गाजे के साथ एकत्र होकर दान संग्रह कर रहे हैं। हाथों में टोकरी, थैला और वाद्य यंत्र लिए टोली घर-घर पहुंच रही है। कहीं ढोल की थाप पर कदम थिरकते दिखे तो कहीं लोकगीतों की मधुर धुन सुनाई दी। बच्चों और बुजुर्गों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि छेरछेरा केवल दान का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और परंपराओं को सहेजने का अवसर है। यह पर्व नई फसल के स्वागत और समाज में आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करता है। दिन भर चले इस आयोजन के बाद एकत्रित दान का उपयोग सामूहिक कार्यों और जरूरतमंदों की सहायता में किया जाएगा। कुल मिलाकर छेरछेरा पर्व ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करते हुए गांव-गांव में खुशियों और उल्लास का संदेश दिया।

अर्जुनी सहित अंचल में धूमधाम से मना अन्नदान का महापर्व छेरछेरा

अर्जुनी। छत्तीसगढ़ के शहरी और ग्रामीण अंचल में अन्नदान का महापर्व छेरछेरा धूमधाम से मनाया गया। पूरे गांव के चौक, बस्ती में मांदर के थाप पर गांव के बड़े बुजुर्ग व बच्चे सभी वर्ग ने अन्नदान के पर्व पर घर-घर पहुंच कर छेरछेरा मांगा। वहीं विभिन्न समूहों ने भी दान प्राप्त किया। बता दें कि पुन्नी माह के प्रथम दिन इस पर्व को धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं गांव-गांव में मेला मड़ई का भी आयोजन होता है, जिसमें बड़े बच्चे प्राप्त धान को बेचकर मेले का लुफ्त उठाते हैं।

अर्जुनी सहित अंचल के ग्राम टोनाटार, नवागांव, टोपा, गोढी टी, अमलीडीह, खैरताल भद्रापाली, मिरगी, मल्दी, देवरानी, मोपर में अन्न का पर्व छेरछेरा हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह से बच्चों बुजुर्गों की टोलिया छेरछेरा मांगने निकल गये थे। पर्व को लेकर उत्साह एवं उमंग रहा। प्रत्येक गलियों में छेरछेरा माई की कोठी के धान ला हेरहेरा की गूंज रही। बैंडबाजा रामधुनी मांदर के साथ गीत गायन करते हुए छेरछेरा मांगा गया। घरों में पर्व को लेकर धान को टोकरी सुपा में रखकर अन्न का दान किए।

विदित हो कि यह लोकपर्व पर्व पौष

पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ प्रमुख फसल धान है, जो कि परंपरागत इस समय किसानों की फसल कटाई के बाद भरे भंडार की खुशी में यह त्योहार मनाने की परंपरा है। समाज के सभी वर्गों के लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। ग्रामीण इलाकों में इस पर्व की रौनक विशेष रूप से देखी गई। छेरछेरा को सामुदायिक सद्भाव और खुशियां बांटने का पर्व माना जाता है। पूरे प्रदेश में लोगों ने इसे उल्लास के साथ मनाया

शिवमंगल ने छेरछेरा पर बच्चों को दिया दान

लवन। नगर अध्यक्ष शिवमंगल चौहान ने छेरछेरा त्यौहार पर बच्चें और बुजुर्गों को अन्नदान दान किया। उन्होंने कहा यह पर्व अंचल में सदियों से मानते आ रहे हैं और आगे भी यह त्यौहार मानते रहेंगे। छेरछेरा त्यौहार नई फसल होने की ख़ुशी में मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ में लोग छेरछेरा त्यौहार के दिन सभी बच्चों को धान दान करते हैं, सभी किसान बहुत ही उत्सव से यह त्यौहार मानते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लोग धान दान करते हैं बच्चों को तथा शहरी क्षेत्र वाले लोग पैसा दान करते हैं कुछ खाने को भी दे देते हैं जिससे बच्चे बहुत खुश हो जाते हैं।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया छेरछेरा पर्व

सिमगा। छत्तीसगढ़ का लोकपर्व छेरछेरा अंचल में हर्षोल्लास एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में लोक पर्व छेरछेरा का विशेष स्थान है। यह पर्व दान, समानता, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है। पौष पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला इस त्योहार में सुबह से बच्चे, युवा और बुजुर्ग छेरछेरा - छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेरा अरन बरन कोदो दरन जभे देबे तभे टरन कहते हुए घर-घर जाकर धान, अन्न एकत्र करते रहे। यह परंपरा समाज में संदेश देती है कि अमीर हो या गरीब सभी खुशी-खुशी अन्न का दान देते व करते हैं। वहीं बच्चों के साथ बड़े लोग भी गंड़वा बाजा, मांदर के साथ रामधुन गाते छेरछेरा मांगते रहे।

साराडीह में छेरछेरा पर मड़ई मेला का आयोजन

पलारी। ग्राम साराडीह में छेरछेरा पर मड़ई मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा परंपरा अनुसार मड़ई निकाली गई, जिसे बाजे-गाजे के साथ पूरे गांव में भ्रमण कराया गया। गली-गली भ्रमण के पश्चात साहू भवन में विधिवत मड़ई मद की स्थापना, पूजा-अर्चना कर ग्राम की सुख-समृद्धि की कामना की गई। मड़ई मेला में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, बुजुर्ग एवं युवा वर्ग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, लोक-संगीत और सांस्कृतिक वातावरण ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। आयोजन स्थल पर मेले जैसा माहौल देखने को मिला, जहां आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता की सुंदर झलक दिखाई दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धन्नू साहू, सरपंच झुमुक साहू, केशव साहू, देवप्रसाद मार्कण्डेय, हेमलाल ध्रुव, मन्नूलाल साहू, खिलेश्वर साहू, चुरामन साहू, रिद्धि साहू, फागु प्रसाद, जयंत साहू, भूषण वर्मा, लुकेश साहू, तेजराम साहू, एवन साहू, ईश्वरी साहू, पुन्नी साहू, बिसनी ध्रुव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि धन्नू साहू ने कहा कि छेरछेरा और मड़ई जैसे पारंपरिक पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन गांव में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। ग्राम साराडीह ने अपनी परंपराओं को जीवित रखकर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

अन्नदान का महापर्व छेरछेरा धूमधाम से मना

अर्जुनी। ग्रामीण अंचलों में 3 जनवरी दिन शनिवार को छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार छेरछेरा पुन्नी धूमधाम से मनाया गया। संजय कॉलोनी के तरुण रजक, छाया रजक, रीना यादव, पीहू वर्मा, त्रिशांग वर्मा, रुबी रजक, निर्मला यादव, गोमती वर्मा, परी सेन, तानी ध्रुव, ओमी, संतोषी ध्रुव पर्व को लेकर उत्साहित दिखे। ग्रामीण क्षेत्र में इस त्यौहार को बड़े धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस दिन बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग घर-घर जाकर छेरछेरा के रूप में धान मांगते रहे।

छेरछेरा पर गूंजा अरन बरन कोदो दरन, जभे देबे तभे टरन गीत

पलारी। अंचल के सभी गांवों में अन्न दान का महापर्व छेरछेरा हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे, युवा, बुजुर्ग, बालिकाएं समूह बनाकर घर-घर छेरछेरा मांगे, वहीं ग्रामों के रामायण समिति सेवा समिति, बैंड बाजा समिति, रामधुनि भजन पार्टी हर वर्ग ने सुबह से दोपहर तक गांव में छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा तथा अरन बरन कोदो दरण, जभे देबे तभे टरन कहावत के साथ लोग प्रसन्नता पूर्वक छेरछेरा मांगते रहे तथा घर से धान, चावल, पैसा आदि मिलने के बाद फिर अगले घर मांगने जाते हैं। शिक्षक डॉ. कोमल वैष्णव ने बताया कि छत्तीसगढ़ के परम्परा अनुसार छेरछेरा का यह महान पर्व अन्न दान का पर्व है, जो पौष पूर्णिमा के आगमन पर नये फसलों के सुरक्षित रखरखाव के पश्चात सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं के साथ अन्न का दान कर अक्षय पुण्य को प्राप्त करते हैं।

बच्चे और बुजुर्ग की टोली ने घर-घर जाकर मांगा छेरछेरा

मुंडा। आदर्श ग्राम पंचायत मुंडा के क्षेत्र कोलिहा, सर्वाडीह, ढनढनी, बरदा, जुड़ा, पैजनी, चिरपोटा, जामडीह, कारी, गढहीड़ीय में छेरछेरा का त्योहार हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह 10 बजे से लड़के-लड़कियां व सब अपनी-अपनी टोली बनाकर घर-घर जाकर शाम तक छेरछेरा मांगते रहे। वहीं गांव के लोग शाम तक अन्न दान देते रहे, जिससे गांवों में चहल पहल देखी गई। छेरछेरा माई कोठी के धान ला हेरहेरा कहते हुए बच्चे जवान बुजुर्ग टोली बनाकर घर-घर जाकर अन्न का दान मांगा।